

# नेपाली र कुमाल भाषाका व्याकरणात्मक कोटिको तुलनात्मक अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा समाजिक शास्त्र  
सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभाग एम्. ए.  
दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि  
प्रस्तुत

## शोधपत्र

शोधार्थी  
नारायणबहादुर कुमाल  
नेपाली केन्द्रीय विभाग  
त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
कीर्तिपुर, काठमाडौं  
२०७४

## शोधनिर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुतनेपाली र कुमाल भाषाका व्याकरणात्मक कोटिको तुलनात्मक अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र नारायणबहादुर कुमालले मेरो निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । यस शोधकार्यको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि विभागसमक्ष सिफारिस गर्दछु ।

मिति:- २०७४/१२/२६

.....

सह-प्रा. भरतकुमार भट्टराई

शोधनिर्देशक

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रि.वि. कीर्तिपुर, काठमाडौं

त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
नेपाली केन्द्रीय विभाग  
कीर्तिपुर, काठमाडौं

स्वीकृतिपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागका छात्र नारायणबहादुर कुमाललेस्नातकोत्तरतह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि तयार पार्नु भएकोनेपाली र कुमाल भाषाका व्याकरणात्मक कोटिको तुलनात्मक अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र सोही प्रयोजनका लागि स्वीकृत गरिएको छ ।

शोधपत्र मूल्याङ्कन समिति

१. प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम .....

(विभागीय प्रमुख)

२. सह-प्रा. भरतकुमार भट्टराई.....

(शोधनिर्देशक)

३. प्रा.डा. खगेन्द्रप्रसाद लुइटेल्.....

(बाह्य परीक्षक)

मिति:- २०७४/१२/३०

## कृतज्ञताज्ञापन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागस्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका निमित्त प्रस्तुत गरिएको नेपालीर कुमाल भाषाका व्याकरणात्मक कोटिको तुलनात्मक अध्ययन शीर्षकको शोधपत्रश्रद्धेय गुरुसह-प्रा. भरतकुमार भट्टराईज्यूको कुशल निर्देशनमा तयार पारेको छु । यस शोधपत्रको आरम्भदेखि अन्त्यसम्मअमूल्य समय उपलब्ध गराई आवश्यक सल्लाह, सुभावा, जानकारीमूलक निर्देशन तथा हौसला प्रदान गर्नु भएकोमावहाँप्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्दछु ।

प्रस्तुत शोधपत्र सम्पन्न गर्नका लागि स्वीकृत प्रदान गर्ने नेपाली केन्द्रीय विभाग र आवश्यक सल्लाह, सुभावा दिनुहुने विभागीय प्रमुख श्रद्धेय गुरुप्रा.डा. देवीप्रसाद गौतमज्यूप्रति हार्दिक आभार प्रकट गर्दछु । यस शोधपत्र तयार गर्नका लागि आवश्यक स्रोत सामग्री तथा पुस्तकलयीय सामग्रीहरूउपलब्ध गराउने त्रि.वि. केन्द्रीय पुस्तकालय, कीर्तिपुरलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु । यस शोधपत्र तयारका लागि हौसला प्रदान गर्नुहुने नेपाली केन्द्रीय विभागका सम्पूर्ण गुरुहरूप्रति हार्दिक सम्मान प्रकट गर्दछु ।

यस शोधकार्यको उचित सल्लाह, सुभावा, तथा सामग्री सङ्कलनमा सहयोग गर्नुहुने साथीहरू तिरथराज निरौला, युवलाल कुमाल र सहोदर भाइ सुरेशबहादुर कुमालप्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त गर्दछु ।

.....

शोधार्थी

**नारायणबहादुर कुमाल**

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर

विषयसूची  
पहिलो परिच्छेद  
शोधपरिचय

पेजनां.

|                              |   |
|------------------------------|---|
| १.१विषयपरिचय                 | १ |
| १.२ समस्याकथन                | ३ |
| १.३शोधकार्यको उद्देश्य       | ३ |
| १.४पूर्वकार्यको समीक्षा      | ३ |
| १.५अध्ययनको औचित्य र महत्त्व | ५ |
| १.६अध्ययनको क्षेत्र र सीमा   | ५ |
| १.७सामग्री सङ्कलन विधि       | ५ |
| १.८शोधकार्य विधि             | ६ |
| १.९शोधपत्रको रूपरेखा         | ६ |

दोस्रो परिच्छेद

नेपाली भाषा र कुमाल भाषाको सामान्य परिचय

|  |    |
|--|----|
| २.१ नेपाली भाषाको सामान्य परिचय              | ७  |
| २.१.१ नेपाली भाषाको उद्भव र विकास            | ७  |
| २.१.२ नेपाली भाषाको भौगोलिक विस्तार र भाषिका | ८  |
| २.१.३ नेपाली भाषाको संरचनात्मक विशेषता       | १० |
| २.१.४ नेपाली भाषाको सामाजिक भूमिका           | ११ |
| २.१.५ नेपाली भाषाको साहित्यिक रूपरेखा        | १२ |
| २.२ कुमाल जातिको सामान्य परिचय               | १४ |
| २.३ कुमाल भाषाको सामान्य परिचय               | १५ |
| २.३.१ कुमाल भाषाको उद्भव र विकास             | १६ |
| २.३.२ कुमाल भाषिक वक्ताको जनसंख्या           | १६ |
| २.३.३ कुमाल भाषाको भौगोलिक विस्तार र भाषिका  | १६ |
| २.३.४ कुमाल भाषाको सामाजिक भूमिका            | १७ |
| २.३.५ कुमाल भाषाको साहित्यिक रूपरेखा         | १७ |
| २.३.६ कुमाल भाषाको भाषिक विशेषता             | १८ |

## तेस्रो परिच्छेद

### नेपाली भाषा र कुमाल भाषाका व्याकरणात्मक शब्दवर्ग

|                                    |    |
|------------------------------------|----|
| ३.१ भूमिका                         | २० |
| ३.२ नाम                            | २० |
| ३.२.१ व्यक्तिवाचक र जातिवाचक नाम   | २१ |
| ३.२.२ सङ्ख्ये र असङ्ख्ये नाम       | २१ |
| ३.२.३ सजीव र निर्जीव नाम           | २२ |
| ३.२.४ मानवीय र मानवेतर नाम         | २२ |
| ३.३ सर्वनाम                        | २३ |
| ३.३.१ पुरुषवाचक सर्वनाम            | २३ |
| ३.३.२ दर्शकवाचक सर्वनाम            | २४ |
| ३.३.३ सम्बन्धवाचक सर्वनाम          | २४ |
| ३.३.४ प्रश्नवाचक सर्वनाम           | २५ |
| ३.४ विशेषण                         | २५ |
| ३.४.१ गुणबोधक विशेषण               | २६ |
| ३.४.२ परिमाणबोधक विशेषण            | २६ |
| ३.४.३ सङ्ख्याबोधक विशेषण           | २६ |
| ३.४.४ सार्वनामिक विशेषण            | २७ |
| ३.४.५ भेदक विशेषण                  | २८ |
| ३.४.६ तुलनात्मक विशेषण             | २८ |
| ३.५ क्रियापद                       | २९ |
| ३.५.१ वाक्य समापनका आधारमा         | २९ |
| ३.५.२ कर्म लिने आधारमा             | २९ |
| ३.५.३ बनोटका आधारमा                | ३० |
| ३.५.४ अर्थ प्रधानतका आधारमा        | ३१ |
| ३.५.५ वाच्य र प्रेरणार्थकका आधारमा | ३१ |
| ३.६ क्रियाविशेषण                   | ३२ |
| ३.७ नामयोगी                        | ३४ |
| ३.८ संयोजक                         | ३६ |
| ३.८.१ सापेक्ष संयोजक               | ३६ |

|                       |    |
|-----------------------|----|
| ३.८.२ निरपेक्ष संयोजक | ३६ |
| ३.९ विस्मयादिबोधक     | ३७ |
| ३.१० निपात            | ३७ |

## चौथो परिच्छेद

### नामिक पदका व्याकरणात्मक कोटिको तुलना

|   |    |
|---|----|
| ४.१ भूमिका                                      | ३८ |
| ४.२नेपाली र कुमाल भाषामा लिङ्ग व्यवस्था         | ३८ |
| ४.२.१ नाममा लिङ्ग व्यवस्था                      | ३९ |
| ४.२.२ विशेषणमा नाम                              | ४० |
| ४.३ नेपाली र कुमाल भाषामा वचन व्यवस्था          | ४२ |
| ४.३.१ नाममा वचन                                 | ४३ |
| ४.३.२ सर्वनाममा वचन                             | ४३ |
| ४.३.३ विशेषणमा वचन                              | ४४ |
| ४.३.४ स्वामित्वबोधक विशेषणमा वचन                | ४४ |
| ४.४ नेपाली र कुमाल भाषामा पुरुष व्यवस्था        | ४५ |
| ४.४.१ प्रथम पुरुष                               | ४६ |
| ४.४.२ द्वितीय पुरुष                             | ४६ |
| ४.४.३ तृतीय पुरुष                               | ४६ |
| ४.५ नेपाली र कुमाल भाषामा आदर व्यवस्था          | ४७ |
| ४.५.१ अनादर                                     | ४७ |
| ४.५.२ समान्य आदर                                | ४८ |
| ४.५.३ उच्च आदर                                  | ४८ |
| ४.५.४ उच्चतम् आदर                               | ४८ |
| ४.६ नेपाली र कुमाल भाषामा कारक/विभक्ति व्यवस्था | ४८ |
| ४.६.१ रूप रचनाको आधारमा कारक                    | ४९ |
| ४.६.२ वाक्यात्मक सम्बन्धका आधारमा कारक          | ४९ |

पाँचौं परिच्छेद  
क्रियापदका व्याकरणात्मक कोटिको तुलना

|   |    |
|---|----|
| ५.१ भूमिका                              | ५२ |
| ५.२ नेपाली र कुमाल भाषामाकाल व्यवस्था   | ५२ |
| ५.२.१ भूत काल                           | ५३ |
| ५.२.२ वर्तमान काल                       | ५४ |
| ५.२.३ भविष्यतकाल                        | ५५ |
| ५.३ नेपाली र कुमाल भाषामापक्ष व्यवस्था  | ५६ |
| ५.३.१ सामान्य पक्ष                      | ५७ |
| ५.३.२ अपूर्ण पक्ष                       | ५७ |
| ५.३.३ पूर्ण पक्ष                        | ५८ |
| ५.३.४ अभ्यस्त पक्ष                      | ५८ |
| ५.३.५ अज्ञात पक्ष                       | ५८ |
| ५.४ नेपाली र कुमाल भाषामाभाव व्यवस्था   | ५९ |
| ५.४.१ सामान्यार्थ                       | ५९ |
| ५.४.२ इच्छार्थ                          | ६० |
| ५.४.३ आज्ञार्थ                          | ६१ |
| ५.४.४ सम्भावनार्थ                       | ६१ |
| ५.४.५ सङ्केतार्थ                        | ६२ |
| ५.५ नेपाली र कुमाल भाषामावाच्य व्यवस्था | ६२ |
| ५.५.१ कर्तृवाच्य                        | ६३ |
| ५.५.२ कर्मवाच्य                         | ६३ |
| ५.५.३ भाववाच्य                          | ६४ |
| ५.६ ध्रुवीयता (करण/अकरण)                | ६४ |

छैटौं परिच्छेद  
सारांश तथा निष्कर्ष

|                   |    |
|-------------------|----|
| ६.१ सारांश        | ६६ |
| ६.२ निष्कर्ष      | ६६ |
| सन्दर्भग्रन्थसूची | ६९ |